Shri Narayanacharya Ashtakam

श्रीनारायणाचार्याष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Narayanacharya Ashtakam

File name : nArAyaNAchAryAShTakam.itx

Category : deities_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 8, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीनारायणाचार्याष्टकम्

भक्तमालां विनिर्माय भक्तभक्तिप्रदायकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १॥

अग्रदेवार्यसच्छिष्यं भक्तानां कीर्त्तिगायकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २॥

श्रीनामायणदासाख्यमग्रानुग्रहभाजनम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३॥

उदधेश्चन्द्रवद्रामानन्दधर्मस्य वर्धकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४॥

दयया कीलदेवानां लब्धारं स्वस्य नेत्रयोः ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५॥

शिक्षकं भगवद्भक्तेर्वैष्णवधर्मरक्षकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६॥

मालामुद्रादिसंस्कारमाहात्म्यस्योपदेशकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७॥

मताब्जभास्करस्थानां रहस्यानां प्रबोधकम् ।
नाभाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८॥

इति श्रीनारायणाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*